विद्यार्थी केन्द्रित शैक्षणिक परिवेश में शिक्षकों की भूमिका है महत्वपूर्ण : प्रो० पी० के० मिश्रा

- **एस०एम०एस० वाराणसी में हुई सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत**
- **एडवांस्ड एनालिटिकल टूल्स फॉर इफेक्टिव रिसर्च केन्द्रित एफ डी पी में मात्रात्मक शोध पर होगा मंथन**

वाराणसी, 2 अगस्त : एस०एम०एस० वाराणसी में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत हुई। इस सात दिवसीय एफ०डी०पी० का मुख्य विषय **एडवांस्ड एनालिटिकल टूल्स फॉर इफेक्टिव रिसर्च** है। सात दिवसीय एफ.डी.पी. के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि आई०आई०टी० (बी०एच०यू०) के प्रोफेसर पी० के० मिश्रा व विशिष्ट अतिथि गुरु गोविंद सिंह इद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की प्रो० पूजा खत्री उपस्थित थीं। अतिथियों का स्वागत करते हुए एस०एम०एस० वाराणसी के निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने कहा कि इस सात दिवसीय एफ. डी. पी. को बेहतर शिक्षण व अनुसंधान के मद्देनजर तैयार किया गया है। इससे शिक्षकों को तेजी से बदलते शैक्षणिक परिदृश्य से तादात्म्य बैठाने में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एक अच्छे शिक्षक को अध्यापन के साथ साथ शोध परक दृष्टि को भी विकसित करना चाहिए। एफ०डी०पी० के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए प्रो० झा ने कहा कि शोध में डेटा का सही तरह से उपयुक्त टूल के माध्यम से विश्लेषण करना अपरिहार्य है। इस एफ०डी०पी० से निःसंदेह शिक्षक और शोधार्थियों में शोध को सही दिशा में करने में मदद मिलेगी।

उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि आई.आई.टी. (बी.एच.यू.) के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. पी. के. मिश्रा ने कहा कि जटिल शोध समस्याओं को हल करने में निरंतर सीखने और विश्लेष्णात्मक उपकरणों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि निःसंदेह शोध के क्षेत्र में ए. आई. जैसी नई तकनीक ने शोध के क्षेत्र में तेजी से बदलाव किए हैं। आज सिर्फ एक फिंगर टिप्स पर तथ्य मिल जाते हैं लेकिन इसके साथ ही सही व सटीक तथ्यों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। प्रो० मिश्र ने शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि आज विद्यार्थी केन्द्रित शैक्षणिक परिवेश

को विकसित करने में शिक्षकों की महती भूमिका है, इस लक्ष्य को वैज्ञानिक दृष्टिकोंण से ही पाया जा सकता है।

उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रो० पूजा खत्री ने कहा कि आज डाइमेंशन, आइटम एनालिसिस और स्केल प्युरिफिकेशन जैसे प्रमुख तकनीकी की समझ होना बेहद जरूरी है। उन्होने कहा कि शोध उपकरणों की विश्वसनीयता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए ये मूलभूत तत्व है । प्रो० खत्री ने शोध में सामान्यीकरण एवं अपरिवर्तनीयता परीक्षण को जरूरी बताया । पहले दिन के तकनीकी सत्र में प्रों० पूजा खत्री ने कान्सेप्ट, कन्सट्रक्ट, स्केल और डायमेंशन जैसे महत्वपूर्ण शोध तत्वों पर विस्तार से चर्चा की । उदघाटन सत्र का संचालन डॉ० भावना सिंह ने किया। सात दिवसीय एफ०डी०पी० के पहले दिन के पहले व दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन क्रमशः डॉ० सोफिया खान व श्रुति सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो० पल्लवी पाठक ने किया ।

इस अवसर पर एस.एम.एस. वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ एम०पी० सिंह, कुलसचिव संजय गुप्ता, एफ०डी०पी० के संयोजक प्रो. अमिताभ पांडेय, प्रो. राजकुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व प्रतिभागी मौजूद रहे।